46 हजार करोड़ रूपए की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजना को कस्टमाइज़ पैकेज मिलेगा

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमैंट की बैठक ने स्वीकृति दी

जयपुर, 14 फरवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक आयोजित हुई। इसमें मुख्यमंत्री ने

■ **ये दस परियोजनाएं सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्युफैक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस व मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, कैमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन क्षेत्र से हैं। इससे 12 हजार से अधिक लोगों को रोज़गार मिलेगा।**

राजस्थान में 46 हजार करोड़ रुपये के निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न सेक्टर की 10 अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को कस्टमाइज्ड पैकेज देने की मंजूरी दी। बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों से प्रदेश में 12 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट की 6वीं बैठक हुई। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा व वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने सोलर मॉड्यूल एवं सैल मैन्युफैक्चरिंग तथा नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, माइंस और मिनरल्स, ऑटोमोबाइल, कैमिकल, टैक्सटाइल एवं पर्यटन सेक्टर से संबंधित अल्ट्रा मेगा परियोजनाओं को रिप्स के तहत कस्टमाइज्ड पैकेज की स्वीकृति प्रदान की।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू की जिलेवार प्रगति की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) को और अधिक प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश की हस्तशिल्प कला को प्रोत्साहित करने के लिए प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों पर विक्रय हेतु विशेष स्थान चिन्हित करने के निर्देश दिए।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गलरिया, आयुक्त बीआईपी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी जुगल किशोर मीना सहित, बीआईपी विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

एस जयशंकर म्युनिख पहुंचे

नई दिल्ली, 14 फरवरी। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यहां उन्होंने जी7 समूह के विदेश मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत, साझा हितों पर बात की। जयशंकर ने एक्स पर कुछ तस्वीरों को पोस्ट करके इसकी जानकारी दी।

विदेश मंत्री ने लिखा, समुद्री संचार रेखाओं की सुरक्षा, सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले के तौर पर काम करना,

■ **विदेश मंत्री एस जयशंकर ने म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया व जी-7 ग्रुप के विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा की।**

बंदरगाह सुरक्षा को मजबूत करने और सबमरीन केबल संरचना के लिए मदद करने में हमारी भूमिका पर बल दिया। इस बातचीत में भारत और जी7 के बीच कई समानताएं और साझा हित पर भी मंथन हुआ। इसके साथ ही, एस जयशंकर ने एक गोलमेज बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, म्यूनिख में आस्पेन के राउंडटेबल 'दिल्ली डिसाइड्स: मैपिंग इंडियाज पॉलिसी कैलकुलस' के साथ अहम बैठक की। बहुध्रुवीय मांगों को पूरा करने के लिए एक तेज और बेजोड़ विदेश नीति की जरूरत पर जोर दिया।

चाकसू के पास कार दुर्घटना में 5 की दर्दनाक मौत

टिगरिया मोड़ पर सुबह 5 बजे ड्राइवर को झपकी आने से तेज रफ्तार कार ट्रेलर में घुस गई

जयपुर, 14 फरवरी। चाकसू थाना इलाके में स्थित कोटा नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर में जा घुसी। इस हादसे में कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त कार को ट्रेलर से अलग किया और सभी मृतकों को सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने काफी प्रयास से मृतकों की शिनाख्त कर हादसे की सूचना उनके परिजनों को दी।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) राजर्षि राज ने बताया कि चाकसू के टिगरिया मोड़ पर शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे कोटा नेशनल हाईव पर ट्रेलर और कार की टक्कर की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे पांच लोगों को काफी मुश्किल से बाहर निकाला। जिनमें एक महिला समेत चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, अस्पताल ले जाते समय एक युवक की मौत हो गई। प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि कार चालक को अचानक से नींद की झपकी आ गई और तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रेलर

■ **जबलपुर के रहने वाले यात्री उज्जैन में महाकाल के दर्शन करने के बाद खाटू श्याम जी जा रहे थे।**

में जा घुसी। कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार में पांच लोगों के शव बुरी तरह से फंस गए। बताया जा रहा है कि सभी लोग मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे और महाकाल उज्जैन के दर्शन कर खाटूश्यामजी सीकर जा रहे थे। थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से अलग-अलग किया और राहगीरों की मदद से कार में फंसे शवों को बाहर निकाल उप जिला अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। करीब दो घंटे बाद यातायात सुचारू कराया गया।

गौरतलब है कि मृतका रेशमा श्रीवास्तव जबलपुर के रेलवे शासकीय स्कूल में सरकारी टीचर थीं। उनके पति अखिलेश श्रीवास्तव पिछले साल लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन से हायर ग्रेड असिस्टेंट पद से रिटायर हुए थे। रेशमा की 2 बेटियां हैं। बड़ी बेटी पलक ने ग्रेजुएशन पूरी कर ली है, जबकि छोटी बेटी पूजा 11वीं क्लास में पढ़ाई कर रही है। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल ट्रक के चालक सत्यनारायण निवासी काछोला (भीलवाड़ा) को दस्तयाब कर लिया है। दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने जब्त कर थाने में खड़ा करवाया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

'पिच से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होंगे, यह सवाल मौजूदा तनाव के केन्द्र पर था। हमेशा संयमित रहने वाले सलमान ने सीधा हां या ना कहने के बजाय, ऐसा जवाब दिया, जिससे सबकी उत्सुकता बनी रही।

उन्होंने कहा, "कल पता चल जाएगा," और इस तरह खेल भावना के एक संभावित क्षण के लिए दरवाजा खुला छोड़ दिया।

असम हाइवे पर प्र.मंत्री के विमान की इमरजैंसी लैंडिग

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम के मोरान में पूर्वोत्तर की पहली आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (इमर्जेंसी लैंडिंग फैसिलिटी-ईएलएफ) पर सी-130 जे विमान से ऐतिहासिक लैंडिंग की। इसके साथ ही उन्होंने राज्य के एक दिवसीय दौरे की शुरुआत की, जहां जल्द ही चुनाव होने वाले हैं।

वे अपने आगमन के बाद, चाबुआ हवाई अड्डे से उड़ान भरकर राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के मोरान स्थित हिस्से पर बने ईएलएफ पर उतरे।

इससे पहले एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा था कि यह ईएलएफ आपातकालीन प्रतिक्रिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। 100 करोड़ रुपये की

■ **यह असल में पूर्वोतर की पहली इमरजैंसी लैंडिग फैसिलिटी है और इसके उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विमान की इमरजैंसी लैंडिग करवाई।**

लागत से बना यह 4.2 किमी लंबा सुदृढ़ीकृत मोरान बाईपास खंड, भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों और परिवहन विमानों के लिए एक रणनीतिक एवं बहुउद्देशीय रनवे के रूप में कार्य करेगा, जिससे रक्षा, लॉजिस्टिक्स और आपदा प्रतिक्रिया को मजबूती मिलेगी।

यह सुविधा नागरिक और सैन्य, दोनों उपयोगों के लिए डिजाइन की गई है और आपात स्थिति में डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे के विकल्प के रूप में कार्य करेगी। यह ईएलएफ 40 टन तक के लड़ाकू विमान और 74 टन अधिकतम टेक-ऑफ वजन वाले परिवहन विमान संभालने में सक्षम है। भारत के पहले ईएलएफ का उद्घाटन वर्ष 2021 में राजस्थान के बाड़मेर जिले में किया गया था।

लैंडिंग के बाद, पीएम मोदी ने लगभग 40 मिनट का एयर शो देखा, जिसमें तेजस, सुखोई, राफेल और अन्य लड़ाकू विमानों ने हिस्सा लिया।

वे कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे। वे ब्रह्मपुत्र नदी पर गुवाहाटी को उत्तर गुवाहाटी से जोड़ने वाले बहुप्रतीक्षित पुल का लोकार्पण करेंगे, जिससे यातायात जाम में उल्लेखनीय कमी, यात्रा समय में कमी और नदी के उत्तरी एवं दक्षिणी तटों के बीच बेहतर संपर्क की उम्मीद है। वे बोंगोरा में भारतीय प्रबंधन संस्थान (इन्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट-आईआईएम) गुवाहाटी के अस्थायी परिसर का भी उद्घाटन करेंगे।

इंडिगो की कोलकाता -शिलांग फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली

कोलकाता, 14 फरवरी। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय अफरातफरी की स्थिति उत्पन्न हो गई, जब कोलकाता से शिलांग जाने वाली इंडिगो की एक निर्धारित उड़ान में बम की आशंका जताई गई।

एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से शनिवार सुबह जारी आधिकारिक बयान में बताया गया है कि विमान के शौचालय के भीतर एक हस्तलिखित पर्ची बरामद हुई, जिसमें बम होने का संकेत दिया गया था।

यह पर्ची विमान के एक क्रू सदस्य की नजर में आई। संदिग्ध संदेश मिलते ही चालक दल ने तत्काल इसकी सूचना संबंधित सुरक्षा एजेंसियों और एयरपोर्ट अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही हवाई अड्डे पर आपात सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिया गया।

क्या रहमान के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे प्र.मंत्री मोदी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 फरवरी। समाचार रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) बांग्लादेश के राष्ट्रीय चुनावों में प्रचंड जीत के बाद अपने नेता तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित, अन्य क्षेत्रीय नेताओं को आमंत्रित कर सकती है। रहमान के अगले सप्ताह बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने की संभावना है।

बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान के विदेश नीति सलाहकार हुमायूं कबीर ने डब्ल्यु आई ओ एन से कहा कि पीएम मोदी को शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया जा सकता है, जो दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में संभावित नरमी का संकेत है। उन्होंने उल्लेख किया कि मोदी पहले ही रहमान को उनकी निर्णायक चुनावी जीत पर बधाई दे चुके हैं।

कबीर ने कहा, "यह क्षेत्र हमारे

■ **बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष तारिक रहमान के विदेश नीति सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया जा सकता है।**

लिए महत्वपूर्ण है। इसे प्रभावशाली बनाना तारिक रहमान की विदेश नीति का अहम हिस्सा है। शपथ ग्रहण के लिए निमंत्रण भेजने में प्राथमिकता की भावना है। समय सीमा कम है, लेकिन सद्भावना का संकेत मौजूद है।"

हालांकि, शपथ ग्रहण समारोह में मोदी की उपस्थिति को लेकर अभी तक भारत सरकार या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कबीर ने इस संभावित निमंत्रण को बेहतर संबंधों की दिशा में एक सद्भावनापूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, जब आप किसी को समारोह में शामिल होने का निमंत्रण देते हैं, तो स्वाभाविक रूप से उम्मीद होती है कि वे आएं। यह एक सद्भावना संकेत है।

यदि औपचारिक निमंत्रण भेजा जाता है और स्वीकार किया जाता है, तो समारोह में मोदी की उपस्थिति ढाका में नए राजनीतिक नेतृत्व के तहत भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक महत्वपूर्ण क्षण साबित हो सकती है। नई दिल्ली पहले ही नए नेतृत्व के साथ जुड़ने की अपनी इच्छा जता चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर एक पोस्ट में रहमान को उनकी निर्णायक जीत पर औपचारिक बधाई दी और बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने तथा साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की। बाद में मोदी ने रहमान से फोन पर भी बातचीत की।

दिल्ली में 10-15 साल पुरानी गाड़ियां जब्त होंगी

नई दिल्ली, 14 फरवरी। दिल्ली ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने शनिवार को एक पब्लिक नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि सड़कों पर खड़ी या चल रही कोई भी पुरानी गाड़ी बिना किसी पहले नोटिस के स्क्रैप कर दी जाएगी। पेट्रोल और डीजल गाड़ियों के लिए अलग-अलग नियम हैं। इस कदम का मकसद नेशनल कैपिटल में एयर पॉल्यूशन स्टैंडर्ड्स को सख्ती से लागू करना है।10 साल से पुरानी डीजल गाड़ियां और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियां पुरानी गाड़ियों की कैटेगरी में आती हैं। अपने नोटिस में, ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने पुरानी गाड़ियों के मालिकों से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) लेने और अपनी गाड़ियों को शहर से बाहर ले जाने की रिक्वेस्ट की है।

अमेरिका व यूरोप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमेरिका और यूरोप के विचारों में अंतर अभी भी साफ दिखाई देता है। हालांकि मार्क रुबियो ने इसे नरम और समझाने वाले तरीके से पेश किया, जबकि उपराष्ट्रपति वेंस का तरीका काफी सख्त था। यह अंतर डॉनल्ड ट्रंप के अमेरिका और पारंपरिक अमेरिका के बीच सोच का अंतर भी दिखाता है, न कि यूरोप में किसी बड़े बदलाव को।

इसके बावजूद, अमेरिका लगातार यूरोप से कहता रहा है कि वह अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद ज्यादा उठाए, बजाय इसके कि पूरी तरह अमेरिका पर निर्भर रहे। यह इस रिश्ते के लेन-देन वाले स्वरूप की याद दिलाता है, जिसमें यूरोप से उम्मीद की जाती है कि वह अपनी सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करे।

कई मायनों में इस आलोचना से यूरोप को फायदा भी हुआ है। इस झटके ने यूरोपीय देशों को अपनी पुरानी सोच बदलने और अमेरिका पर निर्भर रहने की आदत से बाहर आने के लिए प्रेरित किया है।

नए हालात में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर ने यूरोपीय यूनियन के साथ फिर से मजबूत संबंध बनाने की बात कही है। ब्रिटेन करीब दस साल पहले यूरोपीय साझा बाजार से बाहर निकल गया था और उसने दुनिया के अन्य देशों के साथ संबंध मजबूत करने की नीति अपनाई थी।

अब दूसरे यूरोपीय देश भी अमेरिका से अलग आपसी सहयोग बढ़ाने की बात कर रहे हैं। यूरोपीय साझा सेना बनाने और संयुक्त सैन्य कमान बनाने जैसे विचार भी सामने आ रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि ग्रीनलैंड अमेरिका के पास होना चाहिए और जरुरत पड़े तो सेना का विकल्प भी है, इस बात से यूरोपीय देश सतर्क व एकजुट हो गए हैं।

आखिरकार रूस के खतरे ने यूरोप में डर पैदा किया है और उसे एहसास कराया है कि वह रूसी आक्रमण के सामने कितना कमज़ोर हो सकता है। इस डर को बनाए रखने के लिए यूरोपीय देशों ने आज रूसी विपक्षी नेता एलेक्स नवलनी की हत्या पर संयुक्त बयान जारी किया।

उन्होंने कहा कि दो साल पहले साइबेरिया की जेल में बंद रहने के दौरान नवलनी को मारने के लिए दक्षिण अफ्रीकी डार्ट फ्रॉग के जहर का इस्तेमाल किया गया था।

स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले बदमाशों का गैंग पकड़ा

पुलिस ने बताया एनसीआर के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले ये बदमाश ऑनलाइन बेटिंग के जरिए भी ठगी करते थे

नोएडा, 14 फ़रवरी। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (नोएडा यूनिट) ने बीती रात को एनसीआर के विभिन्न नामी निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले गैंग के छह लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग ऑनलाइन बैटिंग के जरिए ठगी भी करते थे। आरोपियों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी मिला है जो नोएडा के विभिन्न स्कूलों को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में प्रयोग किया गया था।

अपर पुलिस अधीक्षक एसटीएफ राजकुमार मिश्रा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में नेपाल और भारत के नागरिक शामिल हैं। आरोपी गाजियाबाद के इंदिरापुरम और शाहबेरी क्षेत्र में रहकर कॉल सेंटर के रूप में अवैध ऑनलाइन बैटिंग नेटवर्क संचालित कर

■ **पुलिस ने बताया गिरोह में 6 बदमाश हैं इनका सरगना नेपाल का अमीष है।**

रहे थे। जांच में सामने आया कि धमकी भरा मेल यूएसए से ओरिजिनेट हुआ था। हालांकि तकनीकी पड़ताल में यह भी पता चला कि उससे जुड़ा रिकवरी ई-मेल बांग्लादेश और भारत से लिंक था। आगे की जांच में रिकवरी मेल का कनेक्शन थाना बिसरख क्षेत्र के शाहबेरी इलाके से जुड़ा पाया गया। इसी के आधार पर एसटीएफ ने छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में अमीष जंग कारकी (नेपाल), अनन्त कुमार (आगरा), दिव्यांशु (बिहार), साहिल कुमार (बिहार), लेखनाथ शर्मा (नेपाल) और केदारनाथ (नेपाल) शामिल हैं। इनके पास से चार लैपटॉप, 22 मोबाइल फोन, दो नेपाली पासपोर्ट, दो फर्जी आधार कार्ड, चार पैन कार्ड, 16 डेबिट-क्रेडिट कार्ड, एक चेकबुक, नेपाली पैन कार्ड, नागरिकता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और 19 हजार 500 रुपये भारतीय मुद्रा बरामद हुई है।

पूछताछ में मुख्य आरोपित अमीष ने बताया कि वह मूल रूप से नेपाल का रहने वाला है। उसने 2019-20 में ऑस्ट्रेलिया से बीबीए किया है। वर्ष 2023 में उसने देवराज नामक व्यक्ति के साथ गेममानो कंपनी में काम किया था। सोशल मीडिया के जरिए अनन्त को जोड़ा गया, जो पूर्व में नोएडा स्थित धनी ऐप ऑफिस में कार्यरत था। वहीं अनन्त और दिव्याशु 12वीं पास हैं। इनकी उम्र करीब 25 वर्ष है। लेखनाथ और केदारनाथ ने नेपाल और ऑस्ट्रेलिया से एमबीए की पढ़ ाई की है। पुलिस के अनुसार पढ़ ्े-लिखे युवाओं द्वारा संगठित तरीके से साइबर ठगी का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एसटीएफ को आरोपितों के कब्जे से वह मोबाइल फोन भी मिला है, जो धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल में इस्तेमाल हुआ था। इस मोबाइल की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या धमकी भरे ई-मेल और बेटिंग नेटवर्क का कोई प्रत्यक्ष संबंध है या नहीं।

बड़े अफसरों के किताब लिखने पर 20 साल की रोक लगेगी!

नई दिल्ली, 14 फरवरी। सेना और सरकार से जुड़े वरिष्ठ पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने को लेकर सख्त नियम लाने पर विचार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, बताया है कि सरकार एक प्रस्ताव पर मंथन कर रही है, जिसके तहत सेना के वरिष्ठ अधिकारियों समेत बड़े सरकारी पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद कम से कम 20 साल का 'कूलिंग-ऑफ पीरियड' तय किया जा सकता है। इस अवधि के पूरा होने से पहले वे अपनी किताब या संस्मरण प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इस संबंध में जल्द ही औपचारिक आदेश जारी होने की संभावना जताई जा रही है।

यह पूरा घटनाक्रम पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा "फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी" को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के बीच सामने आया है। इस किताब में अगस्त 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत-

■ **राजनैतिक व प्रशासनिक हल्कों में इसे नरवणे की किताब को लेकर उठे विवाद का "साइड इफैक्ट" बताया जा रहा है**

चीन सैन्य टकराव के दौरान की घटनाओं को लेकर किए गए दावों ने बीते दो हफ्तों से संसद में तीखी बहस छेड़ रखी है। केंद्रीय कैबिनेट की शुक्रवार को हुई बैठक में यह मुद्दा चर्चा में आया। हालांकि यह मुद्दा बैठक के आधिकारिक 27 सूत्रीय एजेंडे में शामिल नहीं था, लेकिन सामान्य चर्चा के दौरान कई मंत्रियों ने राय दी कि प्रभावशाली पदों पर रहे लोगों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक लंबा कूलिंग-ऑफ पीरियड जरूरी होना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि इस पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है।

'कट्टरपंथी हिंदुत्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज के बांग्लादेश में शेख हसीना और अवामी लीग का अस्तित्व नहीं है।" स्पष्ट है कि भारत में शेख हसीना की मौजूदगी बीएनपी को परेशान कर रही है। कबीर ने कहा, चुनौतियां मौजूद हैं। शेख हसीना जैसे आतंकी का बांग्लादेश से भागकर भारत जैसे संप्रभु देश में रहना चिंता का विषय है। भारत सरकार को उनकी आतंकी गतिविधियों में शामिल या सहयोगी नहीं दिखना चाहिए, जो बांग्लादेश को अस्थिर कर सकती हैं।

नई बीएनपी सरकार ने यह भी साफ किया है कि वह भारत के साथ संतुलित संबंध चाहती है। उनका कहना है कि शेख हसीना के 15 साल के शासन के दौरान बांग्लादेश की विदेश नीति को भारत की विदेश नीति के साथ जुड़ा हुआ माना जाता था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीएनपी की बड़ी जीत के बाद तारिक रहमान को बधाई देने वाले नेताओं में सबसे पहले थे। हालांकि भारत शेख हसीना सरकार के साथ सहज रहा, लेकिन बीएनपी के साथ, यहां तक कि दिवंगत खालिदा जिया के कार्यकाल में भी, रिश्ते ठंडे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रहमान को भारत आने का निमंत्रण दिया है, लेकिन फिलहाल उनके नई दिल्ली आने की कोई योजना नहीं है। कबीर के अनुसार, रहमान के लिए घरेलू प्राथमिकताएं पहले होंगी, क्योंकि उनकी पहली चिंता आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ, लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा, "वे किसी समय भारत आएंगे। अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम सही समय आने पर तय किए जाएंगे।"

दिल्ली के पास हैलमैट बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग

नई दिल्ली, 14 फरवरी। बाहरी दिल्ली के मुडंका थाना क्षेत्र के निलौठी इलाके में शनिवार दोपहर हेलमेट बनाने की एक फैक्टरी में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही इलाके में अफरातफरी मच गई और आसपास के लोग फैक्टरी से दूर हट गए। देखते ही देखते आग ने फैक्टरी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल विभाग के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे फायर कंट्रोल रूम को फैक्टरी में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही तुरंत दमकल की गाड़ियों को रवाना किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए, एक-एक कर कुल 20 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

सीटों व सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर द्रमुक और कांग्रेस में मतभेद बढ़े

कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने कहा 2006 के सत्ता में भागीदारी का जनादेश मिला था पर सरकार से अलग रहकर हमने गलती की

नई दिल्ली, 14 फरवरी। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सत्तारूढ़ डीएमके-कांग्रेस गठबंधन में सीट बंटवारे और सत्ता में हिस्सेदारी को लेकर तनाव के संकेत मिलने लगे हैं। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट ने दोनों दलों के बीच पावर शेयरिंग को लेकर अटकलों को फिर से हवा दे दी है।

विवाद उस वक्त गहरा गया, जब तमिलनाडु सरकार में मंत्री राजा कन्नप्पन ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके आगामी विधानसभा चुनाव में 160 से 170 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और पार्टी को भरोसा है कि वह 160 सीटें तक जीत सकती है।

उनके इस बयान पर कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सवाल उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 2021 में आपने 173 सीटों पर चुनाव लड़ा और 133 सीटें जीतीं। हम उन सीटों के बारे में पूछ रहे हैं, जहां आप

■ **तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने साफ कहा, कांग्रेस के साथ गठबंधवन जारी रहेगा पर सत्ता में भागीदारी का कोई सवाल ही नहीं है।**

हारे थे। उन्होंने आगे कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी जरूरी है। सत्ता में भागीदारी हमारा अधिकार है। फैसला जनता करेगी।

कांग्रेस नेता टैगोर की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब राज्य सरकार में कांग्रेस की भागीदारी को लेकर लगातार चर्चा और खंडन हो रहे हैं। इससे पहले, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने चेन्नई में एक कार्यक्रम में साफ किया था कि तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की कोई संभावना नहीं है।

उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के साथ गठबंधन जारी रहेगा, लेकिन सरकार में सत्ता साझेदारी का कोई प्रावधान नहीं होगा। इससे कांग्रेस के कुछ नेताओं की मंत्री पद की मांगों पर विराम लग गया।

स्टालिन के बयान के बाद टैगोर ने फिर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जनता तय करेगी कि यह गठबंधन सरकार होगी या एकदलीय सरकार। वर्ष 2006 में जनता के जनादेश को लागू न करना तमिलनाडु कांग्रेस की गलती थी।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908